SKC-HMS/1E/2.30

**The House reassembled at thirty minutes past two of the clock,**
**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL) in the Chair.**

---

**श्रीमती रेणुका चौधरी** : सर, मेरा एक मुद्दा है।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : एक मिनट ठहरिए।

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल)** : उपसभाध्यक्ष जी, आज ढाई बजे से पांच बजे तक Private Members' Business था, किंतु जैसा सभी दलों ने मिलकर तय किया है कि बजट पर चल रही चर्चा जारी रहे।

**DR. T. SUBBARAMI REDDY:** Sir, we do not accept that. The House has to agree, whether this way or that way. It is our right to ask... ...(Interruptions)...

**श्री विजय गोयल** : मैं वह proposal रख रहा हूं।

**SHRI BHUBANESWAR KALITA:** Sir, we could defer it to the next Session. ...(Interruptions)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)**: उन्हें कह लेने दीजिए, फिर आप बोलिए।

**श्री विजय गोयल** : सर, जैसी कि एक आम सहमति थी कि बजट पर चर्चा पूरी कर ली जाए, तो मैं इस बात से सहमत हूं कि Private Members' Business, जब दोबारा संसद बैठेगी, तो उस में इसे in the same order शुक्रवार के दिन लिया जाए और आज

जब तक बजट पर वित्त मंत्री का जवाब हो, तब तक जैसा हम लोगों ने तय किया था, बजट पर चर्चा आरंभ की जाए।

**श्रीमती रेणुका चौधरी** : सर, मेरा एक मुद्दा है।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)**: पहले इसे dispose of होने दीजिए। इस पर सभी पार्टी के नेता अपनी राय दें। ठीक है। अब सभी पार्टियां इस से सहमत हैं कि Private Member's Bill अगली बार की बैठक में लिया जाएगा और आज जो विषय है, उसे लिया जाएगा। इसलिए अब बजट पर चर्चा होगी।

**श्रीमती रेणुका चौधरी** : सर, मैंने रूल 188 के तहत एक प्रस्ताव दिया है, उसे आप please consider करें।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : उसे चेयरमैन साहब consider करेंगे। नीरज शेखर जी, अपना भाषण शुरू कीजिए।

**श्रीमती रेणुका चौधरी** : सर, यह privilege का motion है। ..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)**: ठीक है, आपने अपनी बात कह दी।

## STATUTORY RESOLUTION RE. INCREASING RATE OF BASIC CUSTOMS DUTY (BCD) ON CHANA (CHICKPEAS) & THE UNION BUDGET 2018-19- (CONTD.)

**श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश)** : उपसभाध्यक्ष जी, माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट देश के सामने रखा है ..(व्यवधान).. यह बजट देश के किसान, देश के नौजवान और

देश के हरेक नागरिक को ..(व्यवधान).. * देने वाला बजट है। इस बजट में इस देश के लोगों को * किया गया है। ..(व्यवधान).. महोदय, मैं पहले इस देश के किसान की बात करना चाहूंगा कि इस सरकार ने किस तरह * दिया है। सरकार ने कहा है कि हम किसान को उस की लागत का डेढ़ गुना एम0एस0पी0 देंगे। ..(व्यवधान).. यह इन्होंने किसान को * करने के लिए किया है। महोदय, आज किसान आत्महत्या कर रहा है। ..(व्यवधान).. किसान अपनी उपज को मार्केट से कम दाम पर बेच रहा है और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि इन्होंने जो एम0एस0पी0 का वायदा किया है, आज से दो साल पहले, इसी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दिया था और कहा था कि हम एम0एस0पी0 से डेढ़ गुना दे ही नहीं सकते हैं। ..(व्यवधान).. और जब यह सरकार वर्ष 2019 में चुनाव सामने देख रही है, तो यह पलट गयी है। यह ऐसा किसानों के लिए नहीं बल्कि अपने लिए कर रही है ताकि चुनाव में इन्हें फायदा हो और ये फिर से चुनाव जीत सकें। महोदय, पूरे देश में इन का विरोध हो रहा है, इसलिए इन्होंने एम0एस0पी0 का वायदा किया है और वह भी एक तिकड़म है, जिसे किसान समझ न पाए, वह यह सरकार कर रही है। सर, इस के लिए तीन तरह का फॉर्मूला है - A2 actual paid out cost होती है, दूसरा है A2: +FL, that is, actual paid out cost plus imputed value of family labour और तीसरा है, जिसे लागू करना चाहिए, C2 -- comprehensive cost including input, rental value of

---

*Expunged as ordered by the Chair.

owned land and interest on value of owned capital assets. महोदय, यह सरकार किसानों को * दे रही है जबकि किसान को C2+50 percent मिलना चाहिए। मैं वित्त मंत्री जी से कहूंगा कि वह इस स्थिति को स्पष्ट करें कि वे किसान को क्या दे रहे हैं? (1 एफ/एएससी पर जारी)

ASC- HK /1F/2.35

**श्री नीरज शेखर (क्रमागत) :** डेढ़ गुना बोलने से कुछ नहीं होगा, किसान के लिए यह साफ होना चाहिए। इस देश के 70 करोड़ लोग खेती पर निर्भर हैं और उनके साथ *। यह सरकार हर चीज में * कर रही है, हर व्यक्ति के साथ * कर रही है। इन्होंने कहा कि ये किसानों के लिए 'प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना' लाए हैं। इससे बड़ा * किसानों के साथ और कोई नहीं हो सकता है। बीमा क्या है, इन्होंने 2016-17 में 22,345 करोड़ प्रीमियम कलेक्ट किया और किसानों को कितना दिया? इन्होंने किसानों को 6,625 करोड़ दिया, तो बाकी प्रीमियम कहां गया? आपने किसानों से तो पैसा ले लिया और किसान अभी भी जो 55 फीसदी मांग रहा है, जिसके लिए प्रीमियम दिया है, जो उसको नुकसान हुआ है, उसके बारे में कोई बात नहीं है। यह सारा पैसा कहां गया, किसी को कुछ पता नही है। इसी तरह से ये कर रहे हैं। ये 'स्वास्थ्य योजना' लेकर आये हैं, यह वही है। इसमें प्रीमियम के लिए कलेक्ट होगा, बड़ी-बड़ी इंश्योरेंस

---

***Expunged as ordered by the Chair.**

कम्पनियों को फायदा होगा और आम आदमी को पांच हजार तो क्या पांच रुपए भी नहीं मिलेंगे।

दो साल पहले इसी तरह की सरकार योजना लेकर आई थी कि ये एक लाख रुपया 'स्वास्थ्य बीमा योजना ' में देंगे। उस योजना का क्या हुआ? दो साल में वह योजना कहां है? सरकार और वित्त मंत्री जी बताएं कि यह योजना कहां है? यह योजना कहीं नहीं है। यह योजना पेपर्स में आई और पेपर्स में ही खत्म हो गई। लोग उस योजना को ढूंढ़ रहे हैं। इसलिए मैं इस सरकार से यह कहना चाहता हूं और मैं यह भी जानता हूं कि ये लोग नहीं सुनेंगे। जो बीजेपी में, सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, इनकी आंखों पर अहंकार का पर्दा पड़ा हुआ है। इन लोगों में अहंकार है, तो मैं इस सदन के माध्यम से अपने देश के नागरिकों से यह कहना चाहता हूं, देश के नौजवानों से कहना चाहता हूं और देश के किसानों से भी कहना चाहता हूं कि इनको पहचानिए। मैं एक बात में माननीय प्रधान मंत्री जी की प्रशंसा करना चाहूंगा, लोग मुझसे मतभेद कर सकते हैं, प्रधान मंत्री जी ने कहा कि पकौड़ा बेचना भी एक रोजगार है। मैं इस बात को सौ फीसदी स्वीकार करता हूं। महात्मा गांधी ने कहा है कि आप चाहे कोई भी काम करिए, सब बराबर हैं। आप देश के प्रधान मंत्री हो, चाहे आप स्वच्छता वाले हो, चाहे आप पकौड़ा बेचें, सभी लोग समान हैं, क्योंकि dignity of labor होनी चाहिए। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी ने सही कहा है, लेकिन मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि जब एक पकौड़ा बेचने वाला अपना पेट काटकर अपने बच्चे को पढ़ाता है, उसको इंजीनियर बनाता है, उसको डॉक्टर बनाता है, उसको CA बनाता है,

तब क्या वह चाहता है कि उसका बेटा भी उसकी बगल में खड़ा होकर पकौड़ा बेचे? चाय बेचने वाले का बेटा प्रधान मंत्री बन सकता है, लेकिन प्रधान मंत्री यह चाहते हैं कि पकौड़ा बेचने वाला बेटा पकौड़ा बेचने वाला ही बने। मैं जानता हूं कि प्रधान मंत्री जी एक पिता की पीड़ा को नहीं समझ पाएंगे, लेकिन आदरणीय अमित जी तो जान सकते हैं। मैं माफी चाहूंगा, अमित जी तो इस देश में एक ही हैं, एक भाई शाह जी तो जान सकते हैं कि पिता की क्या पीड़ा होती है। जो आदमी अपना पेट काट कर बच्चे को पढ़ा रहा है, आज उसको क्या हो रहा है? आज जब कहीं किसी नौकरी के लिए जगह निकलती है, अगर कहीं पर किसी सफाई कर्मचारी की नौकरी के लिए जगह निकलती है, तो उसके लिए CA पढ़ा व्यक्ति जाता है, MBA पढ़ा व्यक्ति जाता है। जब यह बात इस देश का प्रधान मंत्री कहे कि आप पकौड़ा बेचिए, तो उस नौजवान के ऊपर क्या बीतती होगी? जो नौजवान पढ़ा-लिखा है, उसके आत्म-सम्मान का क्या होता होगा कि MBA करने के बाद उसको कहा जाए कि आप पकौड़ा बेचिए, डॉक्टरी करने के बाद उसको कहा जाए कि आप पकौड़ा बेचिए। उसके आत्म-सम्मान का क्या होगा? प्रधान मंत्री जी ने कम से कम उनसे यह कहा होता कि घबराओ मत, मैं तुम्हारे साथ हूं, मैं तुम्हारे साथ खड़ा हूं। आज उनको आपका साथ चाहिए। आज आप उनको हतोत्साहित मत करिए और आप उनके आत्म-सम्मान को ठेस मत पहुंचाइए। अगले साल देश के 13 करोड़ नौजवान वोट देंगे और वे आप लोगों को देख रहे हैं और वे देख रहे हैं कि आप लोगों की क्या सोच है। आप लोग उस नौजवान के लिए क्या चाहते हैं, वह सब

देख रहा है। आप लोगों को वह ही बताएगा कि क्या सम्मान होता है और आप इस देश की आत्मा के साथ किस तरह का खेल खेल रहे हैं।

(1G/LP पर जारी)

LP-DSP/2.40/1G

**श्री नीरज शेखर (क्रमागत) :** श्री अमित शाह जी ने, जब उनका पहला भाषण था, अपने उस पहले भाषण में उन्होंने कहा था कि मैंने गरीबी को पास से देखा है। आदरणीय अमित शाह जी, गरीबी को देखना नहीं है, गरीबी को महसूस कीजिए। अगर आप गरीब नहीं रहे, तो गरीब को देखिए मत, बल्कि उसकी गरीबी को महसूस कीजिए। आप गरीबी को तभी महसूस कर सकते हैं, जब उसकी जगह अपने आपको खड़ा करके देखेंगे। आपने कहा कि हम लोगों ने स्वच्छ भारत मिशन में 6 करोड़ टॉयलेट्स बना दिए हैं और उसके लिए और पैसा दिया है। उसमें तो आपने बजट कम कर दिया है, लेकिन क्या आपने उन 6 करोड़ टॉयलेट्स को देखा है कि उनका हाल क्या है? आप एक टॉयलेट बनाने के लिए 12 हज़ार रुपये देते हैं। ..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** सी.एम. रमेश जी, हो गया है, बस, अब आप बैठ जाइए। ..(व्यवधान)..

**श्री नीरज शेखर :** क्या 12 हज़ार रुपये में टॉयलेट बन सकता है? शौचालय बन सकता है? आप उन शौचालयों को जाकर देखिए। मैं सभी माननीय सदस्यों से यह चाहूंगा, जो वहाँ - ये लोग गाँव तो कम जाते हैं, लेकिन मैं चाहूंगा कि आप उन शौचालयों में जाकर एक बार अंदर खड़े होइए, दरवाजा बंद कीजिए और बस दो मिनट खड़े रहिए, आप

लोगों को शौचालय समझ में आ जाएगा कि यह शौचालय क्या होता है।

..(व्यवधान)..क्या है, आप बताएं? उपसभाध्यक्ष जी, मंत्री जी कुछ इशारा कर रहे हैं।

**संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल) :** मैं उनसे कह रहा हूं कि उन्हें ऐसे पीछे नहीं खड़े होना चाहिए। ऐसे तो वे हर वक्त पीछे आकर खड़े हो जाएंगे। सॉरी, मैं उनसे कह रहा हूं, आपसे नहीं कह रहा हूं।

**श्री नीरज शेखर :** मुझे लगा मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं। मैं भी यही कहना चाहता था।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** श्री वि. विजयसाई रेड्डी, आप बैठिए।

**श्री नीरज शेखर :** मैं यही कह रहा था कि क्या आप 12 हज़ार रुपये में शौचालय बना सकते हैं? आप इसको 6 करोड़ मत बनाइए, इसको 3 करोड़ ही बनाइए, लेकिन उसको 25 हज़ार रुपये दीजिए, ताकि उसमें कुछ काम हो सके, उसमें पानी का इंतजाम हो सके। मैं वित्त मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि उसमें यह हो रहा है कि वह कुछ दिनों के बाद स्टोर बन रहा है।

मैंने समाचार-पत्र में एक घटना पढ़ी कि एक व्यक्ति ने घर के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसको घर का कब्जा तो मिला नहीं, टॉयलेट का मिल गया। वह उसी में रहा है। यह वाक़या आश्चर्यचकित करने वाला है। यह सरकार लोगों को कैसे-कैसे

* कर रही है। मैं यही कहना चाहता हूं। मेरे एक और साथी बोलने वाले हैं, इसलिए मैं जल्दी-जल्दी, दो-चार चीजें कहना चाहूंगा।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर कहना कहना चाहता हूं। माननीय चिदम्बरम जी ने यह विषय उठाया था। मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब यह 140 डॉलर प्रति बैरल है, तब भी हम लोगों को 75 रुपये में मिल रहा है और आज, जब 68 डॉलर प्रति बैरल है, तब भी हम लोगों को 75 रुपये में मिल रहा है। यह कौन-सा अर्थमेटिक है? मैं यह माननीय वित्त मंत्री जी से दसवीं बार, वह भी सदन में पूछ रहा हूं कि अगर आप लोगों ने इसको मार्किट से जोड़ दिया है, तो यह कौन-सा अर्थमेटिक है? मैं माननीय पेट्रोलियम मिनिस्टर से पूछ चुका हूं। आप इस देश की जनता को कम से कम यह तो बताएंगे कि यह कौन-सा अर्थमेटिक है? यह कौन-सी मार्किट वैल्युएशन है कि जब यह 140 डॉलर प्रति बैरल है, तब भी 75 रुपये में हम लोग पेट्रोल खरीद रहे हैं, किसान डीज़ल खरीद रहा है? आज भी वही स्थिति है। ये इसके बारे में बता दें। मैं माननीय वित्त मंत्री जी से हाथ जोड़कर विनती कर रहा हूं, इस देश के लोग जानना चाहते हैं कि यह कैसा अर्थमेटिक है।

महोदय, मैं दूसरी बात उज्ज्वला योजना के बारे में कहना चाहूंगा। क्योंकि माननीय प्रधान मंत्री जी ने वह बलिया से शुरू की थी, हम लोगों को बहुत अच्छा लगा कि यह बड़ी अच्छी योजना है। मैं मानता हूं कि कई लोगों को गैस सिलेंडर मिले हैं,

---

*Expunged as ordered by the Chair.

लेकिन उस सिलेंडर का फायदा क्या है? माननीय वित्त मंत्री जी यह बता दें कि वह अगली बार कितनी बार रीफिल हुआ है? लोगों ने वह चूल्हा ले लिया है, वह चूल्हा भी उनको 16 सौ रुपये में मिला है, लेकिन उन लोगों को यह नहीं बताया गया कि आपको यह पैसा बाद में, हर गैस सिलेंडर के साथ धीरे-धीरे देना पड़ेगा। आपको यह स्पष्ट करना चाहिए। आप लोगों को * मत कीजिए। आप 3 करोड़ से 8 करोड़ कर दीजिए, सबको गैस चूल्हा मिल जाए, हम लोग यह चाहते हैं, लेकिन यह सब कुछ स्पष्ट होना चाहिए। जो भी नीति बनाए, वह स्पष्ट नीति बनाए। ..(समय की घंटी)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** श्री नीरज शेखर जी, आपकी पार्टी की तरफ से बोलने के लिए एक और सदस्य हैं।

**श्री नीरज शेखर :** उपसभाध्यक्ष जी, मैं दो चीजें और बोलना चाहता था। ..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** जल्दी समाप्त कीजिए।

**श्री नीरज शेखर :** महोदय, मैं नेशनल हाईवे के बारे में बोलना चाहता था। मैं बार-बार सुन रहा हूं। ये पूरे देश में नेशनल हाईवे बना रहे हैं। यह 32 किलोमीटर, 33 किलोमीटर, 40 किलोमीटर रोज बन रहा है। हमारे यहाँ माननीय मंत्री, आदरणीय नितिन गडकरी जी..(व्यवधान)..आज से डेढ़ साल पहले..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** बैठिएगा अभी। ..(व्यवधान)..

**श्री नीरज शेखर :** उन्होंने नेशनल हाईवे 31 का शिलान्यास किया था, लेकिन आज

---

*Expunged as ordered by the Chair.

डेढ़ साल गुजर चुके हैं, उस पर एक रोड़ी तक नहीं आई है, उस पर न डीपीआर हुआ है, न कुछ हुआ, न उसका अधिग्रहण किया गया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ये सारी योजनाएँ ही ऐसी हैं? माननीय नितिन गडकरी जी लखनऊ गए और वहाँ, उत्तर प्रदेश को 2 लाख करोड़..(व्यवधान)..2 लाख करोड़..(व्यवधान)..तय किया गया। ..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** नीरज शेखर जी, तुरंत समाप्त कीजिए।

**श्री नीरज शेखर :** उपसभाध्यक्ष जी, मेरा आखिरी प्वाइंट है। सर, दो मिनट दीजिए। ..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** तुरंत खत्म कीजिए। ..(व्यवधान)..

**श्री नीरज शेखर :** सर, मुझे कल नहीं बोलने दिया गया, मैं कम से कम ..(व्यवधान)..पाँच..(व्यवधान).. घंटे यहाँ बैठा रहा।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** ठीक है, आप घड़ी में देखिए कि आपका टाइम कितना हो गया है।

**श्री नीरज शेखर :** आधा घंटे था।..(व्यवधान)..

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल) :** आपके एक और सदस्य हैं। घड़ी की गड़बड़ी के कारण प्रॉब्लम है, इसलिए close it.

(klg/1h पर जारी)

KLG-KSK/1H/2.45

**श्री नीरज शेखर** : महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन के बारे में बार-बार कहते हैं कि हम 18 हजार गांवों में इसे लाये हैं। मैं इसके सही आंकड़े जानना चाहता हूँ, क्योंकि यह काम राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना में हुआ है। जब से आपकी यह दीनदयाल उपाध्याय योजना आई है, मैं जानना चाहूंगा कि उसमें क्या काम हुआ है? ...(व्यवधान)... मैं बलिया जिले के बारे में जानता हूँ, यहां पर कहा गया कि आप दीनदयाल उपाध्याय योजना में एस्टीमेट बनाइए। वहां चार सौ करोड़ का एस्टीमेट बना और पैसे कितने मिले? 55 करोड़ रुपए मिले। वे 55 करोड़ रुपए किस चीज पर खर्च हो रहे हैं? वे गांव वालों के घरों में मीटर लगाने के लिए खर्च हो रहे हैं। यहां गांव का मजदूर, किसान दो हजार बीस रुपए नहीं दे पा रहा है, वहां अब हर महीने उसको लगेगा, ...(व्यवधान)... हजार से डेढ़ हजार रुपए का मीटर लग जाएगा। सरकार लोगों को इसके बारे में क्यों नहीं बताती? दीनदयाल उपाध्याय योजना में बस मीटर लग रहे हैं,... (व्यवधान)... ये मीटर कब तक लटके रहेंगे? इस तरह आप गरीबों और किसानों की बात करते हैं? ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : नीरज जी, आप समाप्त करें। मैं अगला नाम लूंगा।

**श्री नीरज शेखर** : अंत में, महोदय, मैंने एक प्रश्न माननीय वित्त मंत्री जी से एनपीए के बारे में पूछा था कि बड़े उद्योगपति घरानों के जो एनपीए हैं, उनके बारे में सरकार क्या कर रही है? माननीय प्रधान मंत्री जी बार-बार यह कह रहे हैं कि यह यूपीए का पाप है,

जो हम उठा रहे हैं। मैं चाहता हूँ कि यह पाप यूपीए और एनडीए में बंट जाए। मैं जानना चाहता हूँ कि 2014 के बाद आपने कितने ऋण उद्योगपतियों को दिए हैं? 2014 से पहले इनके पाप और 2014 के बाद आपके पाप, ...(व्यवधान)... मैं चाहता हूँ कि यह बात स्पष्ट हो जाए। यह डिटेल माननीय वित्त मंत्री जी नहीं बताते हैं। उनको बताना चाहिए, ...(व्यवधान)... भई, पाप बंट जाएगा, तो पाप बिल्कुल अच्छी तरह उठा लेंगे। ...(व्यवधान)... जो 2014 के बाद पाप किया है, वह आपने किया है। ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : धन्यवाद। श्री मुत्तुकरुप्पन। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए।

**श्री नीरज शेखर**: महोदय, हम लोगों का तीस मिनट का समय था, आपने काट कर 14 मिनट कर दिए। ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : हमने नहीं किया। यहां आपके 11 मिनट हैं और दो सदस्य बोलने वाले हैं।

**श्री नीरज शेखर** : महोदय, ये नहीं बोल रहे हैं। मैं जनधन योजना के बारे में जानना चाहूंगा। पूरी सरकार कह रही है कि हमने 31 करोड़ जनधन में एकाउंट खोल दिए और उनमें 71 हजार करोड़ रुपए आ गए हैं। ...(व्यवधान)... ये रुपए लोगों ने जमा किए हैं। मैं वित्त मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि 8 नवंबर, 2016 के बाद उन जनधन खातों में कितने रुपए जमा कराए गए? यह मैं जानना चाहूंगा और उन जनधन खातों में सरकार ने कितने रुपए डाले हैं? क्योंकि उन खातों में पन्द्रह-पन्द्रह लाख रुपए आने वाले थे, तो उनमें सरकार ने कितने डाले हैं? यह भी मैं जानना चाहूंगा। हमारे नेता जी

बैठे हुए हैं, आदरणीय राम गोपाल यादव जी, इन्होंने हमसे कहा था कि आदर्श गांव योजना में हम लोगों ने नहीं आना है। मैं जानना चाहूंगा, हम लोग बार-बार इस बारे में पूछ रहे हैं कि प्रधान मंत्री आदर्श गांव में यह सरकार हम लोगों को क्या दे रही है? हमें पूरे उत्तर प्रदेश में एक गांव चुनना है, ...(व्यवधान)... एमपीलैड तो दूसरा है। ...(व्यवधान)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : अभी मैं दूसरा नाम लूंगा, आपका बंद हो जाएगा। कृपया खत्म कीजिए।

**श्री नीरज शेखर:** महोदय, खत्म तो करने दीजिए।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)** : आपके पांच मिनट ज्यादा हो गए हैं, अब ठीक नहीं है। मैं अगला नाम पुकारूंगा, श्री मुत्तुकरुप्पन।

**SHRI RAVI PRAKASH VERMA:** Sir, he should be given time. ...(Interruptions)...

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** Please conclude your speech.

**श्री नीरज शेखर:** सर, मैं कंक्लूड कर रहा हूँ।

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** You are not concluding. ...(Interruptions)...

**श्री नीरज शेखर** : महोदय, मैं एक मिनट का समय लूंगा। मैं केन्द्र सरकार से यही चाहता हूँ, आग्रह कर रहा हूँ, हाथ जोड़ कर विनती कर रहा हूँ कि आप इस देश के न

किसान को भ्रमित करिए, न नौजवान को भ्रमित करिए, न इस देश के अल्पसंख्यकों को भ्रमित करिए। इस देश में आज स्थिति यह हो गई है कि हमेशा लड़ाई का माहौल लगता है, कभी यह हो रहा है कि ट्रिपल तलाक के लिए लड़ाई हो रही है, कभी ऐसा लगता है कि हम लोग पाकिस्तान से लड़ रहे हैं। इस तरह इस देश में कभी स्थिरता नहीं दिख रही है। हमेशा लगता है कि हम लोग किसी लड़ाई में रह रहे हैं, हमेशा युद्ध का माहौल सा रहता है। मैं सरकार से चाहूंगा कि लोगों के मन में शांति रहे, सद्भाव रहे, ऐसा काम सरकार करे।

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)**: ठीक है, धन्यवाद।

**श्री नीरज शेखर**: मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। धन्यवाद।

(समाप्त)

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL)**: Now, Shri S. Muthukaruppan.

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY**: Sir, please give me two minutes.

**उपसभाध्यक्ष (श्री बसावाराज पाटिल)**: अगर आप बैठना चाहेंगे, तो मैं टाइम दूंगा, नहीं तो नहीं। ...(व्यवधान)... Again, you should not make protest.

(Followed by 1J — GSP)

GSP-AKG/2.50-2.55/1J-1K

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY:** Sir, the Members of Telugu Desam Party are also part of the ruling dispensation. The BJP and the Telugu Desam Party together have formed the Central Government. Their demand is that they want justice. From whom are they demanding justice? ...(Interruptions)... They are in power in the State of Andhra Pradesh; they are in power at the Centre. From whom are they demanding justice? It is they who have to do justice for this country and for the State of Andhra Pradesh.

...(Interruptions)...

Sir, yesterday, hon. Chairman gave a ruling that one Cabinet Minister can give a suggestion to another Cabinet Minister. That was the ruling which was given. I would like to know from the Chairman whether there is any rule under which a Minister can give an assurance to another Minister, especially considering the fact that both of them are Ministers of State in their respective ministries.

My second point is that yesterday the Minister of State in the Ministry of Science and Technology began his speech by saying, "on behalf of the Government" and he ended his speech with a request to the Government to do justice. Is he part of the Government? If they are part of the

Government, let them resign from the Government and ask for justice. First, they should resign from the Government.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** Please sit down. ...(Interruptions)...

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY:** Then only, justice will be done. The justice, which they are demanding, can be done to the State of Andhra Pradesh only after they submit their resignation. Thank you, Sir.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** Thank you. Now, Shri S. Muthukaruppan.

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN (TAMIL NADU):** * Hon'ble Vice Chairman Sir, I am very happy to make my speech in my mother tongue Tamil, for the first time, in this august House of historical importance.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** You have four minutes.

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN:** Sir, my Party was allotted 38 minutes. ...(Interruptions).. Till now, we have taken only 10 minutes. So, 28 minutes

---

*English translation of the Tamil Speech.

are still left. ...(Interruptions).. Why are you restricting our time unnecessarily?

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** I am telling that there are four minutes for you.

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN:** No, Sir. It cannot be accepted. ...(Interruptions)... Sir, 38 minutes were already allotted to the AIADMK Party. ...(Interruptions)... Our senior member, Shri Balasubramoniyan spoke for only ten minutes, and, you are saying that only four minutes are there for me. ...(Interruptions)... We have 28 minutes. ...(Interruptions)... This is my right to speak in the House.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** In today's three hour discussion, the AIADMK has got eight minutes' time and there are two speakers from your party. ...(Interruptions)...

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN:** No, Sir. ...(Interruptions)... AIADMK's time was 38 minutes. ...(Interruptions)...

**SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH:** Sir, the other Member has already left. .....(Interruptions)...

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** You can take eight minutes only if one speaker is there. ...(Interruptions)... Please go ahead.

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN:** This is violation of justice. ...(Interruptions)... What is this happening? ...(Interruptions)... Sir, 38 minutes were allotted to AIADMK Party. ...(Interruptions)... Only our senior colleague, Shri Balasubramoniyan has spoken for ten minutes. Rest of the 28 minutes we are having. You are restricting it to four minutes, five minutes. ...(Interruptions)...

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BASAWARAJ PATIL):** Please start your speech.

**SHRI S. MUTHUKARUPPAN (TAMIL NADU): *** Hon'ble Vice Chairman Sir, I am elated to make my speech in my mother tongue Tamil, for the first time, in this august House of historical importance. I am overjoyed to inform this to you. In the Budget 2018-2019, there are many welcome measures. But Tamil Nadu has been neglected in various issues. I would like to point out that sufficient fund is not allocated to Tamil Nadu. I would like to point out this briefly. As far as BJP Government is concerned, during the time of our late Chief Minister, goddess of our heart, Hon'ble Puratchithalaivi Amma, we have worked as an unwritten ally of the BJP

---

***English translation of the Tamil Speech.**

Government. We have assisted them at many circumstances. Moreover, we have supported the BJP Government at crucial times. But , the fund that is due to be allocated to Tamil nadu, is not allocated. It is my duty to point out this, through our Hon'ble Chairman, to Hon'ble Member Mr. Amit Shah, who is the National President of Bharathiya Janata Party. Now, I would like to submit the details of Union Budget 2018-2019.

This Budget aims to strengthen the basics of New India. This Budget had paid attention to various sectors from agriculture to infrastructure. On the one hand, this Budget mentions about the health schemes to eliminate the sufferings of the poor and the middle class. On the other hand, this Budget also has included certain schemes for enhancing the income of small scale industrialists. Therefore, on behalf of All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK), we welcome this Budget. This Budget 2018-2019's total expenditure is more than Rs. 24.42 lakh crore. The total receipt for this year is estimated to be more than Rs.24 lakh crore. We are proud to say that Tamil Nadu occupies the second place, in the list of highest revenue yielding states to India. But, at the same time, we are not satisfied that sufficient fund is not allocated to Tamil Nadu and the Tamil people. This entire country knows about the arduous struggle of our

Hon'ble Puratchithalaivi Amma to get sufficient funds from the Centre for Tamil Nadu. It is really distressing that the same situation continues even today. It is my duty to point out this expressively to the Hon'ble Government.

For example, during the last December 2015, Tamil Nadu experienced an unprecedented rainfall and flood. There was severe loss of materials. All the agricultural crops were destroyed. Farmers were severely affected. Hon'ble Puratchithalaivi Amma met Hon'ble Prime Minister of India twice and demanded that Rs.25,912.45 crore has to be allocated to Tamil Nadu for undertaking relief and rehabilitation measures. But, then, the Central Committee presented a field report. One year had passed after the report was submitted. But the relief package was not given even after one year. Therefore, the Union Government had to accept the demand of Tamil Nadu Government and relief fund had to be provided immediately. I would like to submit this demand to the Hon'ble Prime Minister and the Hon'ble Ministers.

Next, Vardah cyclone devasted Tamil Nadu in December 2016. Thousands of trees were uprooted in coastal districts of Tamil Nadu including Chennai. Electrical poles were mangled. Business and Industry became inoperative. There was huge financial loss to Tamil Nadu and to

the people of Tamil Nadu . The Government of Tamil Nadu requested the Union Government to allocate Rs.22,573 crores for relief. But it is distressing that not even a single rupee was given to Tamil Nadu.

At the same time, due to the severe drought that affected Tamil Nadu last year, 32 districts of Tamil Nadu were announced as drought hit districts. It was announced that out of 16,682 revenue villages , 13,305 villages were drought hit. We requested that the Centre has to come forward to provide Rs.39,565 crore as drought relief package. But the Centre did not heed to our demand. It causes agony to us.

Sir, therefore, I reitereate and request that the Union Government under the leadership of Mr. Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister of India , had to give due financial assistance to Tamil Nadu without further injustice and without further delay. Tamil Nadu is the state that gives maximum revenue to the Centre.

Cauvery Delta is the life line of Tamil nadu. Farming has become very difficult there. Once upon a time, at Thanjai Delta Region, crops are threshed with the help of elephants as threshing with the assistance of cows was not enough. But today, the farmers of Thanjai Delta are in a position not to undertake agriculture.

Water is essential for agriculture. Irrigation facilities have to be given to all parts of the country. To implement this, interlinking of national rivers is a must. Hon'ble Puratchithalaivi Amma had persuaded the Centre for nationalization of all rivers and particularly for interlinking of South Indian rivers. A permanent solution to river water disputes of south India states, will be obtained only if south Indian rivers are interlinked.

(Contd. By 1l)